Sri – Om VEDIC MATHEMATICS AWARENESS YEAR

E-Newsletter Issue no 136 dated 18-03-2015

For previous issues and further more information visit at www.vedicganita.org





🕉 । गायत्री छन्द । सरसवती मंत्र। महेश्वर सूत्र। गणित सूत्र

Om Gyatri Chand, Saraswati Mantra, Maheshwar Sutra, Ganita Sutras

वैदिक गणित

(सूर्य रश्मियो का गणित) देवनागरी वर्णमाला

- 1. वैदिक विदुयाओं का आदि अन्त वा मध्य भी देवनागरी वर्णमाला के वर्णो अक्षरो से प्राप्त किया जाने वाला विद्या क्षेत्र है।
- 2. देवनागरी वर्णमाला के वर्णों अक्षरो का दिव्य आधार सूर्य रश्मियो मे ज्योति प्रवाह के समान्तर है।
- 3. देवनागरी वर्णमाला से विद्याक्षेत्र की प्राप्ति वा दिव्यता अनाहत नाद के ज्योर्तिमय होने की व्यवस्था है।
- 4. इस तरह से देवनागरी के वर्णों की स्थूल, सूक्ष्म, कारण आधार वा तुरीय आवस्था को जानने से ही विद्या क्षेत्र को जाना समझा जा सकता है।
- 5. देवनागरी वर्णमाला की स्थूल व्यवस्था इस प्रकार है

Vedic Mathematics

(Sunlight format Mathematics)

- 1. Vedic Vidya (knowledge) learning has its beginning as well as culmination in Devnagri alphabet letters and syllables.
- 2. The transcendental base of Devnagri alphabet and letters is parallel to Jyoti (light) flow through rays of the Sun.
- 3. The transcendental features of Vedic knowledge domain goes parallel to the organization of Anahat Nad (sound frequencies) being in unison with Jyoti (light) frequencies
- 4. And with it, the mundane, subtle, casual and Turia values of the Devnagri alphabet letters can be comprehended.
- 5. The mundane state organization of Devnagri alphabet is as has been given in the parallel paragraph of column 1. The broad features are as under:

स्वर अइउऋ लुए अ	ो ऐ औ	Vowels 1 to 9	
व्यञ्जन वर्गा क वर्ग क ख ग च वर्ग च छ ज द ट वर्ग ट ठ ड ढ़ त वर्ग त थ द ध प वर्ग प फ ब भ	झ ञ ः ण ः न	Consonants Vargas 5 x 5	
अन्तःस्थः य व र र	न	Antstha	
उष्मणः शषस	ह	Ushmana	
यमः • ७ ५ : × 0	(∪ ∞ *	Yama	*
	क्रमश		to be continued
१८ <mark>-०३-२०</mark> १५ डा. स	न्त कुमार कपूर	18-03-2015	Dr. Sant Kumar Kapoor